

Paper Code : 41601

B.A. (Semester First) Examination, 2021-22

Hindi Literature

Paper : (D-101)

हिन्दी काव्य

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 75

नोट : निर्देशानुसार सभी खण्डों के उत्तर दीजिये।

खण्ड अ

(दीर्घ लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न 15 अंकों का है।

15×3=45

1. आदिकाल की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

भक्तिकाल की विभिन्न काव्यधाराओं का विवेचना कीजिए।

2. मोस्वामी तुलसीदास की भक्ति-भावना पर प्रकाश डालिए

अथवा

कबीरदास के काव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(1)

P.T.O.

3. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं दो की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए:

(क) आयो घोष बढ़ों व्योपरी।

लादि खेप गुन ज्ञान-जोग की ब्रज में आन उतागी॥

फाटक दै कर हाटक मोंगत भोरै निपट सुधारी।

धुर हीतें खोती खायो है लये फिरत सिर भारी।

इनके कहे कोन डहकावै ऐसी कौन अजानी?

अपनी दूध छोंड़ि को पीवै खार कूप को पानी॥

ऊधौ जाहु सबार यहाँ तें बेगि गहरू जनि लावौ।

मुँह माग्यो पैहो सूरज प्रभुसाहुहि आनि दिखावौ॥

अथवा

~~खेलन मानसरोवर मई जाइ पाल पर ठाढ़ी भई॥~~

~~देखि सरोवर हँसै कुलेली पदमावति सौं कहहि सहेली~~

~~ए गद्दी! मन देखु बिचारी। एहि नैहर रहना दिनचरसी॥~~

~~जौलसिं अहै पिता कर सजू। खेलि लेहु जो खेलहु आजु॥~~

~~पुनि सामु हस गवनव काली। कित हस कित सह सस्वर-पाली॥~~

~~कित आवन पुनि अपने हाथो। कित मिलि कै खेलब एक साथ॥~~

~~ससु ननद बोलिन्ह मिठ लही। दारुन समु न निसरै देही॥~~

~~पिउ प्रियार सिर ऊपर, पुनि सो करै दहुँ काह।~~

~~दहुँ मुख सखे की दुख, दहुँ कस जनम निबाह॥~~

41601

(2)

(ख) जिन भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल,
 बिनु निज भाषा-ज्ञान के, मिटत न हिय को सूल।
 अंग्रेजी पढ़ि के जहाँपि सब गुन होत प्रवीन,
 पै निज भाषा-ज्ञान बिन रहत हीन के हीन।
 उन्नति पूरी है तबहिं जब घर उन्नति होय,
 निज शरीर उन्नति किये, रहत मूढ़ सब कोय
 निज भाषा-उन्नति बिना, कबहु न हौहैं सोय,
 लख उपाय अनेक यो भले करें किन कोय।

अथवा

बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ।
 नींद थी मेरी अचल निस्पंद कण कण में,
 प्रथम जागृति थी जगत के प्रथम स्मंदन में,
 प्रलय में मेरा पता पदचिह्न जीवन में,
 शाप हूँ जो बन गया वरदान बंधन में,
 कूल भी हूँ कूलहीन प्रवाहिनी भी हूँ।
 बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ।

खण्ड ब

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न 7.5 अंकों का है।

7.5×2=15

4. राम भक्ति काव्य धारा की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

5. 'बिहारी ने गागर में सागर भरा है' इस कथन की पुष्टि कीजिए।
6. छायावादी कवियों में प्रसाद जी का स्थान निर्धारित कीजिए।

खण्ड - स

(अतिलघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट: सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर कीजिये। प्रत्येक अतिलघु उत्तरीय प्रश्न 3 अंकों का है।

3×5=15

7. सूरदास का साहित्यिक परिचय दीजिए।
8. केशव को 'कठिन काव्य का प्रेत' क्यों कहा जाता है? स्पष्ट कीजिए।
9. अमीर खुसरो के हिन्दी काव्य की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
10. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के साहित्यिक योगदान को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

- पंत को प्रकृति का सुकुमार कवि क्यों कहते हैं? स्पष्ट कीजिए।
11. 'वह तोड़ती पत्थर' कविता का सार बताइए।

अथवा

शांभू से आप क्या समझते हैं।